Dr. Om Prakash Keshri
Associate Professor
P.G. Deptt. of Psychology
Maharaja College, ARA.

P.G. Semester — 2

CC-8 Statistics (correlation)

Scanned with CamScanner

Correlation

सहसंबंध शब्द का प्रयोग हमलोग किसी न किसी रूप में करते हैं। साधारणतः सह-संबंध का अर्थ दो व्यक्तियों घटनाओं या लक्षणों के आपसी संबंध से होता है। अर्थात दो चरों के बीच संबंध को सह-संबंध कहते हैं। लेकिन सांख्यिकी में सहसंबंध का अर्थ दो चरों में एक चर के बढ़ने या घटने से दूसरे चर भी बढ़ने या घटने लगे तो ऐसा कहा जा सकता है कि दोनों चर सहसंबंध है।

Ferguson ~~Guilford~~ ने सहसंबंध को परिभाषित करते हुए कहा है, "सहसंबंध का उद्देश्य दो चरों में पाये जानेवाले संबंध की मात्रा का पता लगाना होता है।"

Scanned with CamScanner

Reber, 1987; के अनुसार —

"सांख्यिकी में सहसंबंध का तात्पर्य दो चरों के बीच वह संबंध है, जिसमें एक चर की मात्रा में नियमित वृद्धि के साथ-साथ दूसरे चर की मात्रा में वृद्धि या ह्रास होता है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं से निम्नलिखित बातें स्पष्ट है —

1. सह संबंध दो चरों के बीच एक विशेष संबंध है।

2. इस विशेष संबंध का तात्पर्य दो चरों के बीच सहभागी परिवर्तन से है।

3. सहभागी परिवर्तन का एक अर्थ यह है कि एक चर में वृद्धि होने पर दूसरे चर में भी वृद्धि हो अथवा एक चर में ह्रास होने पर दूसरे चर में भी ह्रास हो।

Scanned with CamScanner

4. सहभागी परिवर्तन का दूसरा अर्थ यह है, कि एक चर में वृद्धि होने पर दूसरे चर में ह्रास हो अथवा एक चर में ह्रास होने पर दूसरे चर में वृद्धि हो।

उदाहरण स्वरुप बुद्धि तथा उपलब्धि के बीच ऐसा संबंध है कि बुद्धि में वृद्धि होने पर उपलब्धि में वृद्धि होती है। इसी प्रकार बुद्धि में ह्रास होने पर उपलब्धि में भी ह्रास होता है। अत: इन दोनो चरों के बीच संबंध को सहसंबंध कहेंगे। इसी प्रकार थकान तथा उत्पादन दो चर है, जिनके बीच कुछ ऐसा संबंध है कि थकान के बढ़ने पर उत्पादन घटता है और थकान के घटने पर उत्पादन बढ़ता है। अत: दोनो के बीच इस सम्बन्ध को भी सहसंबंध कहा जायेगा।

Scanned with CamScanner